International Fair At Poznan

*37. SHRI P. M. MEHTA :
SHRI SHRIKISHAN MODI :

Will the Minister of FOREIGN TRADE be pleased to state :

(a) whether India participated in the recent International Fair at Poznan ; and

(b) if so, the outcome of the participation in the fair ?

THE MINISTER OF FOREIGN TRADE (SHRI L. N. MISHRA) : (a) Yes, Sir.

(b) India Pavilion projected successfully a large number of goods including engineering items, and consumer goods Information regarding on the spot business contracted and under negotiation is being collected from the participants. Additionally twenty nine trade enquiries were received.

वैगनों की कमी के कारण दिल्ली में कोयले और सीमेंट की अत्यधिक कमी

*38. श्री ईश्वर चौधरी : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या रेलवे वैगनों की कमी के कारण मात्र से ही दिल्ली मे कोयले अथवा सीमेंट की कमी है;

(ख) उनका मंत्रालय आवश्यकता के अनुसार वैगन सप्लाई क्यों नही कर सका है; और

(ग) वैगनों की मांग पूरी करने के लिए क्या उपाय किए गए है या करने का विचार है ?

रेल मंत्री (श्री टी.ए. पाई): (क) से (ग). दिल्ली अपनी आवश्यकता के लिए कोयला पश्चिम बंगाल-बिहार की खानों से और सीमेंट हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश और बिहार में स्थित कारखानों से प्राप्त करती है।

दिल्ली में जनवरी से जुलाई 72 (20 तारीख तक) तक रेल से कोयले की आमद, पिछले वर्ष की अवधि मे हुई आमद से, थोड़ी सी ही कम रही है। लेकिन उसी अवधि के दौरान सीमेंट की आमद पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 13,000 मीटरिक टन अधिक रही।

कोयले की ढुलाई मे और अधिक वृद्धि नहीं हो सकी क्योंकि पूर्वांचल मे रेलों को अनेक कठिनाइयों का सामना करना पडा जैसे पश्चिम बंगाल क्षेत्र में बदमाशों की गतिविधियां, मई और जून, 72 के महीनों मे गर्मी की तीव्र लहर जिसके कारण कर्मचारी बहुत बडी संख्या मे अनुपस्थित रहे, बारम्बार बिजली की खराबी का होना जिसका विद्युत कर्षण पर दुष्प्रभाव पडा और कलकत्ता क्षेत्र में लदे हुए माल डिब्बो की कम निकासी।

संचालन की सामान्य परिस्थितियों में उपभोक्ताओ की वर्तमान मांगों को पूरा करने के लिए रेलो के पास आवश्यक साधन है। माल-डिब्बो के जो वर्तमान आर्डर है, उनके अलावा 8 000 अतिरिक्त माल-डिब्बो का आर्डर देने की योजना बनाई गई है। फिर भी, रेलें कोयले की मांगों को उसी हालत मे संतोषजनक रूप से पूरा कर सकती है जब उनके वश से बाहर के कारणो से उनके काम मे बाधा न पड़े और टर्मिनल स्टेशनो पर पार्टियो द्वारा माल डिब्बों के लदान और खाली करने मे अनावश्यक विलम्ब न हो।

Distribution of Power by Private Agencies

*39. SHRI C. K. CHANDRAPPAN :
SHRI Y. ESWARA REDDY :

Will the Minister of IRRIGATION AND POWER be pleased to state :

(a) whether private agencies continue to distribute power in a number of States if so, the number of such agencies operating in the country at present; and